>

Title: Issue regarding adulteration of food items in the country.

श्री रेवती रमण सिंह: महोदया, आपका धन्यवाद कि एक महत्वपूर्ण विषय पर आपने मुझे बोलने का समय दिया है। जहां तक मुझे मालूम है, संभवतः पूरी दुनिया में भारत एक ऐसा देश है कि जहां पर खाने-पीने की चीज़ों में भारी मिलावट होती है। ऐसी मिलावट हो रही है कि जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। बाजार में खाने-पीने के जो सामान मिल रहे हैं, उनमें कोई भी सामान शुद्ध नहीं है। हर चीज़ में, यहां तक कि दूध, घी, खोया, पनीर, सरसों के तेल में मिलावट हो रही है।

मान्यवर, दूध में तो कमाल ही कर दिया। नकली दूध पैदा कर दिया है और दिल्ली के अगल-बगल के सभी इलाकों में नकली दूध मिल रहा है। महोदया, उसका एक कारण यह भी है कि इस सब मिलावट के बावजूद भी कहीं कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। महोदया, इस मिलावट से जो सबसे बड़ी कठिनाई पूरे देश को भुगतनी पड़ रही है, इससे कैंसर, लीवर, किडनी, हार्ट की बीमारी जैसी तरह-तरह की बीमारियां फैल रही हैं। इसका कोई इलाज नामाकूल यह सरकार नहीं कर पा रही है।

महोदया, मैं आपसे कहना चाहूंगा कि इसे रोकने के लिए अगर कठोर नियम नहीं बनेंगे, कोई कार्रवाई नहीं होगी, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। स्वास्थ्य मंत्री जी कहते हैं कि यह राज्य सरकार का मामला है और राज्य सरकार इसमें कार्रवाई करे। अगर आईपीसी और सीआरपीसी में अमेंडमेंट करके दस साल की रिगरस इंप्रिजनमेंट कर दिया जाए, तो कोई मिलावट नहीं करेगा।

दूसरी बात, पूरे देश में प्रयोगशालायें नहीं हैं। प्रयोगशाला बनाने में अगर भारत सरकार प्रदेश सरकारों को मदद करे और नयी प्रयोगशालायें पर्याप्त मात्रा में खोल दे तो जांच होकर तुंत रिपोर्ट आ जाएगी। जांच होने को जाती है, तो उसमें सालों निकल जाते हैं, लेकिन जांच होकर नहीं आती है। मैं आपसे मांग करूंगा कि आप इस गंभीर प्रश्न की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने की कृपा करें।

अध्यक्ष महोदया : श्री पन्ना लाल पुनिया और श्री कमल किशोर 'कमांडो' अपने आपको श्री रेवती रमण सिंह जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।